चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	23-9.25	1	5-8

The Tribune

Over 1.2L farmers attend farm fair, seed worth ₹2.49 cr sold

Farmers urged to move towards entrepreneurship along with farming

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, SEPTEMBER 22

A two-day agricultural fair for Rabi season concluded at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) here on Monday. The theme of this year's fair was 'Natural Resource Management'.

Around 300 stalls were set up by various departments of the university and private companies to showcase new agricultural technologies.

Certified seeds of improved Rabi crop varieties and agricultural literature were made available to the farmers. Seeds worth Rs 2.49 crore were sold and 1.23 lakh farmers participated in the fair. Facilities for soil and water testing were also provided to the farmers. On the concluding day, HAU Vice Chancellor Prof BR Kamboj was the chief guest, while LUVAS Vice Chancellor Prof Vinod Kumar Verma was the guest of honour.

Farmers throng an agriculture fair at the HAU on Monday. TRIBUNE PHOTO

Addressing a gathering, Prof Kamboj said agricultural fairs for Rabi and Kharif crops are organised every year to provide farmers access to research innovations, latest technologies and high-quality seeds developed by scientists. He said to improve crop yields, farmers should use certified seeds, proper seed treatment, timely sowing, and apply fertilisers and pesticides as per recommendations.

He urged farmers to prioritise pulses and oilseeds over traditional crops to enhance their financial condition. Along with this, adopting animal husbandry, horticulture and fisheries can significantly boost their income. Stressing on agri-entrepreneurship, the VC said farmers must move towards entrepreneurship along with farming. A special 'Question & Answer' session was organised in the fair where farmers got solutions to their problems and interacted with agricultural scientists. Disease-free banana and sugarcane plants developed by tissue culture technique were also made available to the farmers.

Director of Extension Education, Dr Balwan Singh Mandal said the Rabi crop seeds, including wheat, barley, mustard, chickpea, fenugreek, lentil, berseem and oats, worth Rs 2.49 crore were sold in to the farmers.

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	23-9.25	6	2-8

कृषि मेला • किसानों ने मिट्टी-पानी के 426 सैंपल करवाए टेस्ट, टिश्यू कल्चर से विकसित 27 हजार पौधे और 77 हजार का कृषि साहित्य बिका

एचएयू कृषि मेले में 2.49 करोड़ के बीजों की हुई बिक्री

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला रबी का समापन हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन रहा। मेले में 300 स्टालें लगाई गईं। मेले में किसानों को रबी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाएं तथा साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा उपलब्ध करवाई गई।

मेले के समापन पर एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे जबकि लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। एचएयू विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेले में दोनों दिन करीब 1 लाख 23 हजार किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। मेले में किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपए के बीज खरीदे। मेले में 77 हजार 250 रुपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 13 हजार 500 रुपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा पानी के 426 नमूनों की जांच करवाई। टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित पौध की बिक्री 27 हजार व जैव उर्वरक के टीके की बिक्री 1 लाख 18 हजार रुपए की हुई।

एचएयू के कृषि मेले में लगी स्टॉलों पर उन्नत फसल किस्मों, उपकरणों व तकनीक की जानकारी लेते हुए किसान।

एचएयू के कृषि मेले से बीज लेकर जाते किसान।

वैज्ञानिकों और किसानों के बीच संवाद

संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों के बीच हुए संवाद के अलावा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया। स्टॉलों में से सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक/समग सीड्स प्रथम, आईएफएसए सीड्स द्वितीय तथा न्यूजीवीडू सीड्स लिमिटेड तृतीय स्थान पर रहे। इन्सेक्टिसाइडस व पेस्टीसाइडस ग्रुप में क्रिस्टल क्रॉप सांइस प्रथम, बायर क्रॉप सांइस द्वितीय व कोरोमंडल तृतीय स्थान पर रहे। फर्टिलाइजर ग्रुप में हैबिटैट पहले, यारा दूसरे व कृभको तीसरे स्थान पर रहे। मशीनरी व ट्रैक्टर ग्रुप में बरवाला एग्रो सर्विस प्रथम, फील्ड मारशल कम्पनी द्वितीय रही।

प्रगतिशील किसान समूह को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

किसानों को खेती के साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत : प्रो. काम्बोज

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि किसानों को अपनी फसलों की अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उन्नत किस्मों के बीज, बीज उपचार, समय पर बिजाई, सिफारिश के अनुसार उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग करना चाहिए। किसानों को अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए परम्परागत फसलों के स्थान पर दलहनी व तिलहनी फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। पशुपालन, बागवानी तथा मत्स्य पालन को अपनाकर किसान अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। किसानों को खेती के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत है।

लुवास पशुपालकों को उपलब्ध करवा रहा विस्तार सेवाएं : वीसी

लुवास कुलपति प्रो. विनोद वर्मा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीक उपलब्ध करवा रहा है। शोध कार्यों के साथ-साथ उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इस दौरान उन्होंने लुवास के माध्यम से प्रदेश के पशुपालकों को उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का विस्तार से उल्लेख किया। लुवास के द्वारा प्रदेश में 6 हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र, 10 पशु विज्ञान केन्द्र एवं 8 पशु रोग निदान केन्द्र चलाए जा रहे हैं जिनसे प्रदेश में पशु पालन को बढ़ावा देने में प्रदेश के किसानों को मदद मिल रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	23-9.25		

कृषि मेले में नवीनतम कृषि तकनीक व मशीनरी बारे किसानों ने ली जानकारी

मेले में टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित केले एवं गन्ने की रोग रहित पौध किसानों को दी

हकृवि में 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' पर दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मेले में किसानों को सम्बोधित करते हुए, प्रगतिशील किसान समूह को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व मेले का दृश्य।

हिसार, 22 सितम्बर (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन सोमवार को हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' रहा। दो दिवसीय इस कृषि मेला का रविवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुभारंभ किया था। विश्वविद्यालय के अनुसार इस दो दिवसीय मेले में करीब एक लाख 23 किसानों के पहुंचे और नवीनतम कृषि तकनीकों और कृषि यंत्रों बारे जानकारी हासिल की। साथ फसलों की नई वैरियटी के अलावा सब्जी की नई किस्मों बारे वैज्ञानिकों से जानकारी ली। खास बात यह रही कि महिलाओं ने भी इस मेले में रूचि दिखाई और कृषि और पशुपालन से संबंधित कई जानकारियां हासिल की। मेले में मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। साथ ही मेले में टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित केले एवं गन्ने की रोग रहित पौध किसानों को उपलब्ध करवाई गई। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहें जबकि लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।

मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। उन्नत किस्म के बीज, नवीनतम तकनीक, कृषि उपकरण, समेकित कृषि प्रणाली तथा कृषि क्षेत्र में उधमिता को बढ़ावा देना मेले के मुख्य आकर्षण रहे। मेले के अन्तिम दिन बीज बिक्री केन्द्रों एवं स्टालों पर किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों के बीच हुए संवाद के अलावा कृषि में उधमिता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच संचालन डॉ भूपेन्द्र ने किया। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉल संचालकों को सम्मानित किया गया। साथ ही प्रगतिशील किसान समूह को सम्मानित किया गया।

परम्परागत फसलों के स्थान पर दलहनी व तिलहनी फसलों को प्राथमिकता दें किसानः प्रो.काम्बोज

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसानों को अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ करने के लिए परम्परागत फसलों के स्थान पर दलहनी व तिलहनी फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके साथ-साथ पशुपालन, बागवानी तथा मत्स्य पालन को अपनाकर किसान अपनी आय में बढ़ौतरी कर सकते है। कृषि उधमिता पर जोर देते हुए उन्होने कहा कि किसानों को खेती के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत है। भारत में कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, क्योंकि यह हमें भोजन प्रदान करने के साथ साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करता है, निर्यात को बढ़ावा देता है और सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देता है।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष के मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' इसीलिए रखा गया था ताकि किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होने बताया कि मेले में इस बार टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित केले एवं गन्ने की रोग रहित पौध भी किसानों को उपलब्ध करवाई गई।

लुवास कुलपति प्रो.वर्मा ने पशुपालकों को दी जा रही सुविधाओं बारे जानकारी दी

लुवास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद वर्मा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीक उपलब्ध करवा रहा है, शोध कार्यों के साथ-साथ उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इस दौरान उन्होनें लुवास के माध्यम से प्रदेश के पशुपालकों को उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का विस्तार से उल्लेख किया। लुवास के द्वारा प्रदेश में 6 हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र, 10 पशु विज्ञान केन्द्र एवं 8 पशु राग निदान केन्द्र चलाएं जा रहे है जिनसे प्रदेश में पशु पालन को बढ़ावा देने में प्रदेश के किसानों को मदद मिल रही है। इस दौरान लुवास के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. राजेश खुराना विस्तार शिक्षा निदेशालय से डॉ.सरिता, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. निलेश सिन्धु व लुवास के अन्य अधिकारी, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष वं अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

1 लाख 23 हजार किसानों ने की शिरकत, 2 करोड़ 49 लाख रूपए के बिके बीज

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मेले में दोनो दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रूपए के बीज खरीदे। मेले में 77 हजार 250 रुपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 13 हजार 500 रूपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा पानी के 426 नमूनों की जांच करवाई। टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित पौध की बिक्री 27 हजार व जैव उर्वरक के टीके की बिक्री 1 लाख 18 हजार रुपए की हुई।

मेले से किसान बीज लेकर जाता हुआ।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	23.9.25	4	2-5

एचएयू मेले में 2. 49 करोड़ के बिके बीज, दो दिन में एक लाख 23 हजार किसान पहुंचे

मेले में थी 300 स्टालें, पहले दिन की अपेक्षा दूसरे दिन रही ज्यादा भीड़, कलाकारों ने बांधा समां

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय रबी कृषि मेले का सोमवार को समापन हो गया। इस वर्ष कृषि मेले का थीम प्राकृतिक संसाधन प्रबंध रहा। दोनों दिन लगभग एक लाख 23 हजार किसानों ने की शिरकत, इस दौरान 2 करोड़ 49 लाख रुपये के बीज बिके। कृषि मेले के दूसरे दिन, पहले दिन की अपेक्षा अधिक भीड़ रही। मेले के दूसरे दिन पंडाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम चलते रहे। विभिन्न कलाकारों ने हरियाणवी रागनियों की प्रस्तुतियां दी। मेले में घुम रहे किसानों ने रागनियों का लुत्फ उठाया। मेले में करीब 300 स्टालें लगाई गई थी।

डा. बलवान सिंह मंडल • जागरण

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया। किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, जई व उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रूपए के बीज खरीदे। मेले में 77 हजार 250 रुपये के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की दो लाख 13 हजार 500 रुपये की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा पानी के 426 नमूनों की जांच करवाई। टिश्यू कल्चर तकनीक से विकसित पौध की बिक्री 27 हजार व जैव उर्वरक के टीके की बिक्री 1 लाख 18 हजार रुपये की हुई। मेले में किसानों को रबी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाएं। साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे, जबकि लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कुलपति प्रो. कांबोज ने कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों के किए गए शोध कार्यों, नवीनतम तकनीकों और उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए प्रत्येक वर्ष रबी और खरीफ फसलों के कृषि मेले आयोजित किए जाते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मेला ग्राउंड में आयोजित कृषि मेले में लगी भीड़ • जागरण

फल, सब्जियों के बीज व प्रोडक्ट खरीदें

मेले में आए किसानों ने सब्जियों के, फलदार पौधों के बीज खरीदे। प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर लगी हुई उन्नत किस्मों के प्रदर्शन प्लाटों का भी भ्रमण किया। मेले में नवीनतम कृषि पद्यतियों को जानने के अलावा तकनीकी बुलेटिन भी किसानों के लिए मुख्य आकर्षण रहते हैं। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र में किसानों ने अपनी खेती संबंधी समस्याओं के निदान मिलते हैं। उन्हें कृषि वैज्ञानिकों से मिलने का मौका भी मिलता है। इस वर्ष के मेले का थीम प्राकृतिक संसाधन् प्रबंधन इसीलिए रखा गया है ताकि किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जा सके। इस बार टिश्यू कल्चर तकनीक से विकसित केले एवं गन्ने की रोग रहित पौध भी उपलब्ध करवाई गई।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टालों को किया गया सम्मानित

स्टालों में से सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक, समग सीड्स प्रथम, आइएफएसए सीड्स द्वितीय तथा न्यूजीवीडू सीड्स लिमिटेड तृतीय स्थान पर रहे। इंसेक्टिसाइडस व पेस्टीसाइडस ग्रुप में क्रिस्टल क्राप सांइस प्रथम, बायर क्राप सांइस द्वितीय व कोरोमंडल तृतीय स्थान पर रहे। फर्टिलाइजर ग्रुप में हैबिटैट पहले, यारा दूसरे व कृभको तीसरे स्थान पर रहे। मशीनरी व ट्रेक्टर ग्रुप में बरवाला एग्रो सर्विस प्रथम, फील्ड मार्शल कंपनी द्वितीय व राठी ग्रीन हाउस तृतीय स्थान पर रहे।

अमर उजाला	23.9.25	2	1-6

बीजों पर भरोसा और प्राकृतिक संसाधनों की बढ़ी सीख

प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ता कदम... एचएयू कृषि मेले में उमड़ा किसानों का सैलाब

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में दो दिवसीय रबी कृषि मेला 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' थीम पर सम्पन्न हुआ। मेले में 300 से अधिक स्टॉलों पर किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज, टिश्यू कल्चर से तैयार रोगमुक्त पौधे, कृषि साहित्य व मिट्टी-पानी की जांच के बारे में बताया गया। इसके अलावा किसानों को मेले में कृषि के नई-नई मशीनों की जानकारी और मेले में मौजूद फसलों की किस्मों की जानकारी दी गई।

2.49 करोड़ रुपये के बिके बीज

दो दिन में लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों ने की शिरकत

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मेले में दोनो दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपये के बीज खरीदे। मेले में 77 हजार 250 रुपये के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 13 हजार 500 रुपये की बिक्री हुई।

किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी और पानी के 426 नमूनों की जांच करवाई। टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित पौध की बिक्री 27 हजार व जैव उर्वरक के टीके की बिक्री 1 लाख 18 हजार रुपये की हुई।

एचएयू में आयोजित कृषि मेले में कृषि के यंत्रों की जानकारी लेते किसान। संवाद

एचएयू और पूसा संस्थान ने विकसित की मक्का की नई किस्म आईएमएच 225

किसान को जानकारी देती असिस्टेंट साइंटिस्ट किरण।

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और पूसा संस्थान ने मिलकर मक्का की दो नई हाइब्रिड किस्में आईएमएच 225 और 226 विकसित की हैं। इन किस्मों को 25 जनवरी से 15 फरवरी के बीच बोया जा सकता है। फसल पकने में लगभग 120 दिन का समय लगता है। ये किस्में एक एकड़ में 35 क्विंटल तक पैदावार देती है। किसानों के लिए अधिक उत्पादनकारी साबित होंगी। यह जानकारी एचएयू करनाल केंद्र की असिस्टेंट साइंटिस्ट किरण ने दी। यह फसल खासतौर पर उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों यानी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और नई दिल्ली के लिए तैयार की गई है। इन हाइब्रिड्स की सबसे बड़ी खासियत है कि यह चिलो पार्टेलस कीट, चारकोल रॉट रोग, फ्यूजेरियम स्टॉक रॉट के प्रति मध्यम रूप से प्रतिरोधी हैं, जबकि मैयडिस लीफ ब्लाइट रोग के प्रति पूरी तरह प्रतिरोधी पाई गई हैं।

बाजरे की एचएचबी 299 किस्म : ज्यादा पैदावार और पौष्टिकता से भरपूर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने बाजरे की उन्नत किस्म एचएचबी 299 किसानों के लिए उपलब्ध कराई है। यह किस्म उच्च उत्पादन और पौष्टिकता के कारण सबसे बढ़िया मानी जा रही है। एक एकड़ में इसकी पैदावार 35 से 40 मन तक होती है। इसकी खासियत यह है कि इसकी लंबाई केवल 5 से 6 फीट तक होती है, जिससे किसानों को फसल काटने में किसी तरह की परेशानी नहीं होती। एचएयू के वैज्ञानिक डॉ. हर्षदीप ने बताया कि एचएचबी 299 की सबसे बड़ी विशेषता इसका पोषण स्तर है। इसमें 73 पीपीएम तक आयरन पाया जाता है, जो इसे सेहत के लिहाज से भी खास बनाता है। इस किस्म की बिजाई जुलाई के पहले पखवाड़े में की जाती है और यह 75 से 80 दिन में पककर तैयार हो जाती है।

डॉ.हर्षदीप।

बाजरे की किस्म एचएचबी 299

सभी तरह के बीजों की बिजाई कर सकता है ऑल इन वन सुपर सीडर

कृषि मेले में सुपर सीडर ऑल इन वन मशीन के बारे में किसान को जानकारी देते बंसी। संवाद

फील्ड मार्शल कंपनी ने किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 813 सुपर सीडर ऑल इन वन मशीन पेश की है। यह आधुनिक तकनीक से लैस मशीन सभी प्रकार की फसलों की बिजाई करने में सक्षम है। मशीन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह जीरो मेंटेनेंस और लोड फ्री है। इसके रोटावेटर को केवल दो मिनट में ब्लॉक कर तैयार किया जा सकता है। फील्ड मार्शल कंपनी के स्टेट हेड बंसी जाट ने बताया कि यह मशीन बिजाई के साथ-साथ रोटावेटर और हैरो का काम भी करती है। किसान अपनी जरूरत के अनुसार अलग-अलग गहराई पर बीज की बिजाई कर सकते हैं। 6 से 9 फीट आकार में उपलब्ध यह मशीन 15 एचपी की पावर जनरेट कर ट्रैक्टर पर अतिरिक्त लोड नहीं डालती। ऑल इन वन की खासियत यह भी है कि किसान चाहे तो इसे सीडर मशीन या रोटावेटर की तरह अलग-अलग भी उपयोग कर सकते हैं। हरियाणा में अन्य कंपनियों की तुलना में इसकी कीमत अधिक जरूर है, लेकिन गुणवत्ता और बहुउपयोगी तकनीक के कारण यह किसानों के लिए सबसे बेहतर विकल्प मानी जा रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	23-9-21	10	1-5

किसानों को खेती के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत : प्रो. बी.आर. काम्बोज

मेले में लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपये के बीज बीके और 1 लाख 23 हजार किसानों ने की शिरकत

हिसार, 22 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 300 स्टालें लगाई गई। मेले में किसानों को रबी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाएं तथा साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहें जबकि लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध कार्यों, नवीनतम तकनीकों और उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए प्रत्येक वर्ष रबी और खरीफ फसलों के कृषि मेले आयोजित किए जाते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हकृवि द्वारा इजाद की गई किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में उनकी मांग ज्यादा रहती है। मेले में आए किसानों नें जहां सब्जियों के, फलदार पौधों के बीज खरीदे वहीं प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर लगी हुई उन्नत किस्मों के प्रदर्शन प्लाटों का भी भ्रमण किया। लुवास के द्वारा प्रदेश में 6 हरियाणा पशु बिज्ञान केन्द्र, 10 पशु विज्ञान केन्द्र एवं 8 पशु रोग निदान केन्द्र चलाएं जा रहे है जिनसे प्रदेश में पशु पालन को बढावा देने में प्रदेश के किसानों को मदद मिल रही है। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मेले में दोनो दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रूपए के बीज खरीदे। मेले में 77 हजार 250 रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 13 हजार 500 रूपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा पानी के 426 नमूनों की जांच करवाई। टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित पौध की बिक्री 27 हजार व जैव उर्वरक के टीके की बिक्री 1 लाख 18 हजार रूपयें की हुई। संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही।

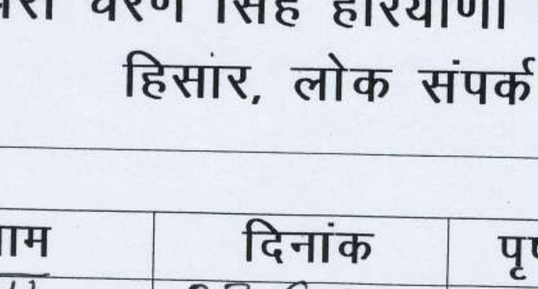

प्रगतिशील किसान समूह को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

स्टॉलों में से सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक/समग सीड्स प्रथम, आईएफएसए सीड्स द्वितीय तथा न्यूजीवीडू सीड्स लिमिटेड तृतीय स्थान पर रहे। इन्सेक्टिट्रसाइडस व पेस्टीसाइडस ग्रुप में क्रिस्टल क्रॉप सांइस प्रथम, बायर क्रॉप सांइस द्वितीय व कोरोमंडल तृतीय स्थान पर रहे। फर्टिलाइजर ग्रुप में हैबिटैट पहले, यारा दूसरे व कृभको तीसरे स्थान प्रर रहे। मशीनरी व ट्रेक्टर ग्रुप में बरवाला एग्रो सर्विस प्रथम, फील्ड मारशल कम्पनी द्वितीय व राठी ग्रीन हाउस तृतीय स्थान पर रहे। प्रगतिशील किसान समूह में सुभाष कंबोज, एसएस ऑर्गेनिक फार्मिंग तथा नूर ऑर्गेनिक/योगेन्द्र मशरूम क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। इसी प्रकार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग (जीपीबी), एचएयू मार्ट/सब्जी विभाग तथा इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिले। सरकारी विभाग कैटेगरी में बागवानी विभाग, हरियाणा सरकार व लुवास/एमएचयू/मत्स्य विभाग, हरियाणा सरकार, पहले व दूसरे स्थान पर रहे। विविध ग्रुप में वेक्स्टर हेल्थ केयर, फिलोजोइक फार्मा व हिन्दुस्तान गम/ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	23-9-25	12	2-8

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मेले में करीब अढ़ाई करोड़ रुपये के बीज बिके

किसानों को खेती के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत: प्रो. काम्बोज

'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' पर आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 300 स्टालें लगाई गईं। मेले में किसानों को रबी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाएं तथा साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहें जबकि लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।

मेले 1 लाख 23 हजार किसानों ने की शिरकत

हिसार । उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, साथ है लुवास के कुलपति प्रो. विनोद वर्मा व अन्य। फोटो: हरिभूमि

किसानों को नवीनतम बीज उपलब्ध करवा रहा हकृवि : प्रो. वर्मा

लुवास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद वर्मा ने बताया कि हकृवि किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीक उपलब्ध करवा रहा है, शोध कार्यों के साथ-साथ उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इस दौरान उन्होनें लुवास के माध्यम से प्रदेश के पशुपालकों को उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का विस्तार से उल्लेख किया। इस मौके पर हकृवि के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण कुमार यादव, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ एसके पाहुजा समेत अन्य अधिकारी व वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

426 नमूनों की जांच की

मेले में दोनो दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपये के बीज खरीदे। मेले में 77 हजार 250 रुपये के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 13 हजार 500 रुपये की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा पानी के 426 नमूनों की जांच करवाई। टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित पौध की बिक्री 27 हजार व जैव उर्वरक के टीके की बिक्री 1 लाख 18 हजार रुपये की हुई।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को किया गया सम्मानित

स्टॉलों में से सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक/समग सीड्स प्रथम, आईएफएसए सीड्स द्वितीय तथा न्यूजीवीडू सीड्स लिमिटेड तृतीय स्थान पर रहे। इन्सेक्टिसाइडस व पेस्टीसाइडस ग्रुप में क्रिस्टल क्रॉप साइंस प्रथम, बायर क्रॉप साइंस द्वितीय व कोरोमंडल तृतीय स्थान पर रहे। फर्टिलाइजर ग्रुप में हैबिटैट पहले, यारा दूसरे व कृभको तीसरे स्थान पर रहे। मशीनरी व ट्रैक्टर ग्रुप में बरवाला एग्रो सर्विस प्रथम, फील्ड मारशल कम्पनी द्वितीय व राठी ग्रीन हाउस तृतीय स्थान पर रहे। प्रगतिशील किसान समूह में सुभाष कंबोज, एसएस ऑर्गेनिक फार्मिंग तथा नूर ऑर्गेनिक/योगेन्द्र मशरूम क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। इसी प्रकार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग (जीपीबी), एचएयू मार्ट/सब्जी विभाग तथा इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिले। सरकारी विभाग कैटेगरी में बागवानी विभाग, हरियाणा सरकार व लुवास/एमएचयू/मत्स्य विभाग, हरियाणा सरकार, पहले व दूसरे स्थान पर रहे। विविध ग्रुप में वेक्स्टर हेल्थ केयर, फिलोजोइक फार्मा व हिन्दुस्तान ग्राम/ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।

भारत में कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसानों को अपनी फसलों की अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उन्नत किस्मों के बीज, बीज उपचार, समय पर बिजाई, सिफारिश के अनुसार उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग करना चाहिए। कृषि उद्यमिता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को खेती के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत है। भारत में कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, क्योंकि यह हमें भोजन प्रदान करने के साथ साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करता है, निर्यात को बढ़ावा देता है और सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देता है।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	22.9.2025	--	--

हकृवि में 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' पर दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 300 स्टालें लगाई गई। मेले में किसानों को रबी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाएं तथा साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहें जबकि लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध कार्यों, नवीनतम तकनीकों और उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए प्रत्येक वर्ष रबी और खरीफ फसलों के कृषि मेले आयोजित किए जाते हैं। किसानों को अपनी फसलों की अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उन्नत किस्मों के बीज, बीज उपचार, समय पर बिजाई, सिफारिश के अनुसार उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ करने के लिए परम्परागत फसलों के स्थान पर दलहनी व तिलहनी फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके साथ-साथ पशुपालन, बागवानी तथा मत्स्य पालन को अपनाकर किसान अपनी आय में बढोतरी कर सकते है। कृषि उधमिता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को खेती के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत है। भारत में कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, क्योंकि यह हमें भोजन प्रदान करने के साथ साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करता है, निर्यात को बढ़ावा देता है और सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हकृवि द्वारा इजाद की गई किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में उनकी मांग ज्यादा रहती है। मेले में आए किसानों ने जहां सब्जियों के, फलदार पौधों के बीज खरीदे वहीं प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर लगी हुई उन्नत किस्मों के प्रदर्शन प्लाटों का भी भ्रमण किया। मेलें में नवीनतम कृषि पद्यतियों को जानने के अलावा उनके तकनीकी बुलेटिन भी किसानों के लिए मुख्य आकर्षण रहते हैं। उन्होंने बताया कि मेले में इस बार टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित केले एवं गन्ने की रोग रहित पौध भी किसानों को उपलब्ध करवाई गई। लुवास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद वर्मा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीक उपलब्ध करवा रहा है, शोध कार्यों के साथ-साथ उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इस दौरान उन्होंनें लुवास के माध्यम से प्रदेश के पशुपालकों को उपलब्ध करवाई

जा रही सेवाओं का विस्तार से उल्लेख किया। लुवास के द्वारा प्रदेश में 6 हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र, 10 पशु विज्ञान केन्द्र एवं 8 पशु रोग निदान केन्द्र चलाएं जा रहे है जिनसे प्रदेश में पशु पालन को बढ़ावा देने में प्रदेश के किसानों को मदद मिल रही है।

दोनों दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों ने की शिरकत, 2 करोड़ 49 लाख रूपए के बिके बीज

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मेले में दोनो दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रूपए के बीज खरीदे। मेले में 77 हजार 250 रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 13 हजार 500 रूपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा पानी के 426 नमूनों की जांच करवाई। टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित पौध की बिक्री 27 हजार व जैव उर्वरक के टीके की बिक्री 1 लाख 18 हजार रूपये की हुई। संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। उन्नत किस्म के बीज, नवीनतम तकनीक, कृषि उपकरण, समेकित कृषि प्रणाली तथा कृषि क्षेत्र में उधमिता को बढ़ावा देना मेले के मुख्य आकर्षण रहे। मेले के अन्तिम दिन बीज बिक्री केन्द्रो एवं स्टालों पर किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों के बीच हुए संवाद के अलावा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ एसके पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच संचालन डॉ भूपेन्द्र ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	23.9.2025	--	--

हकृवि में 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' पर दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न, लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों ने की शिरकत

किसानों को खेती के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत : प्रो. बी. आर. काम्बोज

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 23 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 300 स्टालें लगाई गई। मेले में किसानों को रबी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाएं तथा साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहें जबकि लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध कार्यों, नवीनतम तकनीकों और उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए प्रत्येक वर्ष रबी और खरीफ फसलों के कृषि मेले आयोजित किए जाते हैं। किसानों को अपनी फसलों की अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उन्नत किस्मों के बीज, बीज उपचार, समय पर बिजाई, सिफारिश के अनुसार उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ करने के लिए परम्परागत फसलों के स्थान पर दलहनी व तिलहनी फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके साथ-साथ पशुपालन, बागवानी तथा मत्स्य पालन को अपनाकर किसान अपनी आय में बढोतरी कर सकते है। कृषि उधमिता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को खेती के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत है। भारत में कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, क्योंकि यह हमें भोजन प्रदान करने के साथ साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करता है, निर्यात को बढ़ावा देता है और सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हकृवि द्वारा इजाद की गई किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में उनकी मांग ज्यादा रहती है। मेले में आए किसानों ने जहां सब्जियों के, फलदार पौधों के बीज खरीदे वहीं प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर लगी हुई उन्नत किस्मों के प्रदर्शन प्लाटों का भी भ्रमण किया। मेले में नवीनतम कृषि पद्यतियों को जानने के अलावा उनके तकनीकी बुलेटिन भी किसानों के लिए मुख्य आकर्षण रहते हैं। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र में किसानों ने अपनी खेती संबंधी समस्याओं के निदान मिलते हैं व उन्हे कृषि वैज्ञानिकों से मिलने का मौका भी मिलता है। इस वर्ष के मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' इसीलिए रखा गया है ताकि किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होने बताया कि मेले में इस बार टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित केले एवं गन्ने की रोग रहित पौध भी किसानों को उपलब्ध करवाई गई।

लुवास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद वर्मा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीक उपलब्ध करवा रहा है, शोध कार्यों के साथ-साथ उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इस दौरान उन्होनें लुवास के माध्यम से प्रदेश के पशुपालकों को उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का विस्तार से उल्लेख किया। लुवास के द्वारा प्रदेश में 6 हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र, 10 पशु विज्ञान केन्द्र एवं 8 पशु रोग निदान केन्द्र चलाएं जा रहे है जिनसे प्रदेश में पशु पालन को बढ़ावा देने में प्रदेश के किसानों को मदद मिल रही है।

संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। उन्नत किस्म के बीज, नवीनतम तकनीक, कृषि उपकरण, समेकित कृषि प्रणाली तथा कृषि क्षेत्र में उधमिता को बढ़ावा देना मेले के मुख्य आकर्षण रहे। मेले के अन्तिम दिन बीज बिक्री केन्द्रो एवं स्टालों पर किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों के बीच हुए संवाद के अलावा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ एसके पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच संचालन डॉ भूपेन्द्र ने किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को किया गया सम्मानित

स्टॉलों में से सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक/समग सीड्स प्रथम, आईएफएसए सीड्स द्वितीय तथा न्यूजीवीडू सीड्स लिमिटेड तृतीय स्थान पर रहे। इन्सेक्टिसाइडस व पेस्टीसाइडस ग्रुप में क्रिस्टल क्रॉप सांइस प्रथम, बायर क्रॉप सांइस द्वितीय व कोरोमंडल तृतीय स्थान पर रहे। फर्टिलाइजर ग्रुप में हैबिटैट पहले, यारा दूसरे व कृभको तीसरे स्थान पर रहे। मशीनरी व ट्रेक्टर ग्रुप में बरवाला एग्रो सर्विस प्रथम, फील्ड मारशल कम्पनी द्वितीय व राठी ग्रीन हाउस तृतीय स्थान पर रहे। प्रगतिशील किसान समूह में सुभाष कंबोज, एसएस ऑर्गेनिक फार्मिंग तथा नूर ऑर्गेनिक/योगेन्द्र मशरूम क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। इसी प्रकार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग (जीपीबी), एचएयू मार्ट/सब्जी विभाग तथा इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिले। सरकारी विभाग कैटेगरी में बागवानी विभाग, हरियाणा सरकार व लुवास/एमएचयू/मत्स्य विभाग, हरियाणा सरकार, पहले व दूसरे स्थान पर रहे। विविध ग्रुप में वेक्स्टर हेल्थ केयर, फिलोजोइक फार्मा व हिन्दुस्तान गम/ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।

2 करोड़ 49 लाख रूपए के बिके बीज

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मेले में दोनो दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रूपए के बीज खरीदे। मेले में 77 हजार 250 रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 13 हजार 500 रूपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा पानी के 426 नमूनों की जांच करवाई। टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित पौध की बिक्री 27 हजार व जैव उर्वरक के टीके की बिक्री 1 लाख 18 हजार रूपये की हुई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	22.9.2025	--	--

कृषि मेले में लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपए के बिके बीज, 1 लाख 23 हजार किसानों ने की शिरकत

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 300 स्टालें लगाई गई।

मेले में दोनों दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपए के बीज खरीदे। मेले में 77 हजार 250 रुपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 13 हजार 500 रुपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा पानी के 426 नमूनों की जांच करवाई। टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित पौध की बिक्री 27 हजार व जैव उर्वरक के टीके की बिक्री 1 लाख 18 हजार रुपये की हुई।

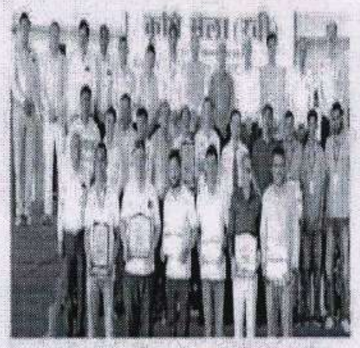

स्टॉलों संचालकों को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

मेले का अवलोकन करते अधिकारी।

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे जबकि लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध कार्यों, नवीनतम तकनीकों और उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए प्रत्येक वर्ष रबी और खरीफ फसलों के कृषि मेले आयोजित किए जाते हैं।

लुवास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद वर्मा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीक उपलब्ध करवा रहा है, शोध कार्यों के साथ-साथ उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इस दौरान उन्होंने लुवास के माध्यम से प्रदेश के पशुपालकों को उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का विस्तार से उल्लेख किया। लुवास के द्वारा प्रदेश में 6 हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र, 10 पशु विज्ञान केन्द्र एवं 8 पशु रोग निदान केन्द्र चलाए जा रहे है जिनसे प्रदेश में पशु पालन को बढ़ावा देने में प्रदेश के किसानों को मदद मिल रही है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को किया सम्मानित

स्टॉलों में से सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक/समृद्ध सीड्स प्रथम, आईएफएसएस सीड्स द्वितीय तथा न्यूजीवीडू सीड्स लिमिटेड तृतीय स्थान पर रहे। इन्सेक्टिसाइडस व पेस्टीसाइडस ग्रुप में क्रिस्टल क्रॉप साइंस प्रथम, बायर क्रॉप साइंस द्वितीय व कोरोमंडल तृतीय स्थान पर रहे। फर्टिलाइजर ग्रुप में हैफिटेट पहले, यारा दूसरे व कृभको तीसरे स्थान पर रहे। मशीनरी व ट्रैक्टर ग्रुप में बरवाला एग्रो सर्विस प्रथम, फील्ड मारशल कम्पनी द्वितीय व राठी ग्रीन हाउस तृतीय स्थान पर रहे। प्रगतिशील किसान समूह में सुभाष कंबोज, एसएस आर्गेनिक फार्मिंग तथा नूर ऑर्गेनिक/योगेन्द्र महारूम क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। इसी प्रकार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सिलहन अनुभाग (ओपीबी), एचएसबी मार्ट/सब्जी विभाग तथा इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिले। सरकारी विभाग कैटेगरी में बागवानी विभाग, हरियाणा सरकार व लुवास/एमएचयू/मत्स्य विभाग, हरियाणा सरकार, पहले व दूसरे स्थान पर रहे। विविध ग्रुप में वेक्सटा हेल्थ केयर, फिलांजोइक फार्मा व हिन्दुस्तान गम/ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।